तालों के बाद अलीगढ़ बना डिफेंस उत्पादों का गढ़

अलीगढ़ नोड में मिल चुके हैं 3421 करोड़ रुपये के डिफेंस प्रस्ताव, 86 हेक्टेयर भूमि की गई है अधिग्रहित

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। तालानगरी अलीगढ़ तेजी से डिफेंस उत्पादों के गढ़ के रूप में उभरा है। डिफेंस कॉरिडोर के अलीगढ़ नोड में 3,421 करोड़ रुपये के प्रस्ताव आ चुके हैं। कई कंपनियों ने यहां उत्पादन शुरू कर दिया है। 86 हेक्टेयर अधिग्रहित भूमि में से 64 हेक्टेयर भूमि उद्योगों को आवंटित की जा चुकी है। इस बेल्ट में सर्वाधिक निवेश बेल्ट ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सेंसर, रेडियो डायरेक्शन फाइंडर, रडार सिस्टम और मध्यम-कैलिबर गोला-बारूद के क्षेत्र में हुआ है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने उप्र डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) की स्थापना देश की रक्षा विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा व चित्रकूट जैसे छह प्रमुख केंद्रों के साथ यह अब देश में रक्षा विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

अलीगढ़ नोड में कई प्रमुख रक्षा विनिर्माण कंपनियों ने निवेश किया है। एंकर रिसर्च लैब्स 550 करोड़ रुपये के निवेश से ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सेंसर, रेडियो डायरेक्शन फाइंडर व एक परीक्षण परिसर निर्माण करेगी। जमीन आवंटन हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, सिग्नल इंटेलिजेंस, रडार सिस्टम, टैक्टिकल कम्युनिकेशन की दिग्गज कंपनी एमीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स 330 करोड़ रुपये के निवेश से सेटेलाइट स्पेसपोर्ट निर्माण इकाई लगा रही है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम डिजायन, विकास और विनिर्माण इकाई भी स्थापित की है, जिसमें उत्पादन शुरू हो चुका है।

ओशो कॉर्प ग्लोबल ने एडवांस्ड टेक सॉल्यूशन यूनिट के लिए 250 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है, जबकि प्रशांत एंटरप्राइजेज मध्यम-कैलिबर गोला-बारूद के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। एसएमपीपी प्रा. लि. टैंक और तोप के गोला-बारूद के उत्पादन के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज ने प्रोपल्शन गियरबॉक्स और सहायक पावर गैस टर्बाइन बनाने के लिए 200 करोड़ रुपये का एमओयू किया है।

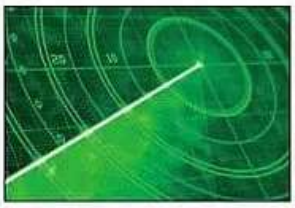

इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सेंसर, रेडियो डायरेक्शन फाइंडर, रडार सिस्टम में सबसे ज्यादा निवेश

होराइजन एयरोस्पेस बनाएगा फाइटर एयरक्राफ्ट सस्टेनमेंट सेंटर

एक्सपो मशीन ने मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के घटकों के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश के लिए जमीन ली है। जय साई अनु ओवरसीज प्रिसिशन कम्पोनेंट में 100 करोड़ का निवेश करेगी। होराइजन एयरोस्पेस ने फाइटर एयरक्राफ्ट सस्टेनमेंट सेंटर और सबसिस्टम निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। सक्सेना मरीन टेक युद्धपोत और वाहन अनुशासन परियोजनाओं के लिए 150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। सिंडिकेट इनोवेशन इंटरनेशनल छोटे हथियारों और गोला-बारूद के निर्माण पर 150 करोड़ रुपये खर्च करेगी। स्पाइसजेट ने 125 करोड़ रुपये के निवेश से रक्षा रखरखाव, मरम्मत इकाई स्थापित करने की योजना बनाई है। इनवेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कहा कि अलीगढ़ महत्वपूर्ण औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्र है। अब प्रदेश के रक्षा औद्योगिक गलियारे में प्रमुख नोड के रूप में भूमिका निभा रहा है।